राष्ट्रीय
सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■नई दिल्ली ■लखनऊ ■गोरखपुर ■पटना
■कानपुर ■देहरादून ■वाराणसी से प्रकाशित

नई दिल्ली

बृहस्पतिवार • 12 अप्रैल • 2018

16 पृष्ठ, मूल्य ₹ 3.50

भारत के नाम करनी है 21वीं सदी : वेंकैया नायडू

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा।

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि हमें 21वीं सदी भारत के नाम करना है। देश को विश्व गुरु बनाना है, जैसे पहले नालंदा के समय था। इसमें युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत नॉलेज का हब है। यहां के नॉलेज से विदेशी हतप्रभ हैं। आज 65 प्रतिशत आबादी 35 साल से कम ऐज की है, जो सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि देश में प्राकृतिक संसाधनों की कमी नहीं है। उपराष्ट्रपति ने युवाओं को जॉब गिवर बनने की सलाह दी है। उपराष्ट्रपति नायडू बुधवार को इंडिया एक्सपो मार्ट में बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

युवाओं के पास जॉब गिवर बनने का सबसे अच्छा मौका

नॉलेज का हब है भारत

उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आरपीटी (रिफॉर्म, परफॉर्म एंड ट्रांफॉर्म) का मूलमंत्र समझाया। उन्होंने कहा कि सूर्य, हिमालय, गंगा समेत प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है। इनका उपयोग कर युवा देश को विकास की राह पर ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में देश में नालंदा, तक्षशिला जैसे संस्थान रहे हैं। आर्यभट्ट व चरक ने मानक स्थापित किए हैं, लेकिन अब कई देश हमसे आगे पहुंच गए हैं। एक बार फिर से हमें विश्व गुरु बनना है। उन्होंने कहा कि कई छोटे देशों ने भारत पर हमला किया, लूटा और हम पर अत्याचार और शासन किया, लेकिन भारत ने कभी किसी देश पर हमला न कर वसुदैव कुटुंबकम की नीति पर चला। उन्होंने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था आने वाले 10 से 15 वर्षों में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।

नायडू ने युवाओं से कहा कि आप उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए विदेशों में जाएं, लेकिन वापस आकर अपने देश और समाज की सेवा कीजिए। हमारी भारतीय सभ्यता सबसे महान और पुरानी है, जिसमें अत्यंत विविधता है। इसलिए हम सभी भारतीय खासकर युवा पीढ़ी को गौरवांवित महसूस करना चाहिए। सभी शिक्षण संस्थानों का दायित्व है कि वे देश और समाज को सर्वोपरि रखकर काम करें। देश का एजेंडा होना चाहिए। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की तरह उच्च उद्देश्य रखने की और कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। नोट बंदी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इससे क्या फायदा हुआ क्या नहीं हुआ यह चर्चा का विषय है और चर्चा हो भी रही है, लेकिन सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि बेडरूम का पैसा बैंक में पहुंच गया। इससे बैंकों का खजाना बढ़ गया जिसका फायदा सभी लोगों को होगा। जीएसटी के मुद्दे पर कहा कि आने वाले समय में इसका फायदा होगा। सरकार ने लंबे समय के फायदे को देखते हुए निर्णय लिया है। उन्होंने केंद्र सरकार की स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, मुद्रा बैंक आदि योजनाओं का जिक्र करते हुए युवाओं को जॉब गिवर बनने के प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि जॉब गिवर बनने का सबसे अच्छा मौका है। दीक्षांत समारोह में 423 स्नातकोत्तर छात्रों को डिग्री देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एच. चतुर्वेदी ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और छात्रों को आशीर्वाद दिया। इस मौके पर प्रदेश के आबकारी मंत्री जय प्रताप सिंह, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की चेयरपर्सन श्रीमती जयश्री मोहता, जिलाधिकारी बीएन सिंह, एसएसपी डॉ. अजय पाल शर्मा, संस्थान के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अनुपम वर्मा, एके अग्रवाल आदि मौजूद थे।

इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू। फोटो : मनोहर त्यागी

गोल्ड मेडल व विशेष पुरस्कार पाने वाले विद्यार्थी : आदित्य वर्धन, शल्लिका सिंह, यशस्वी अग्रवाल, प्रवीण कुमार, सोनाली गुप्ता, रोंसी सारा थॉमस, आदित्य वर्धन, दिव्या नेगी, माधुरी जे सेठ, सुजाता, अमरेंद्र पाण्डेय और डॉ. हिमांशु गुप्ता को उपराष्ट्रपति ने मेडल और प्रमाण पत्र दिए।